

प्रेषक,

विनोद फोनिया

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,

पशुपालन विभाग,

उत्तराखण्ड गोपेश्वर चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक // जनवरी, 2010

विषय: पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (ASCAD) (75 प्रतिशत केन्द्रपोषित) योजनान्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2044/नि०एस्काड/2009-10 दिनांक 31 अक्टूबर, 2009 के क्रम में श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में आयोजनागत योजनाओं के पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता योजनान्तर्गत कुल धनराशि रूपया 48.91 लाख (रूपया छियालीस लाख इक्क्यानब्बे हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग भारत सरकार को प्रेषित कार्य योजना के अनुसार ही किया जाय तथा अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
2. उक्त धनराशि का व्यय विवरण प्रत्येक माह की 5 तारीख तक बी०एम०-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग एवं महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा वित्तीय वर्ष 2008-09 में स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति भी तत्काल शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. धनराशि को व्यय करते समय वित्त विभाग के मितव्ययिता संबंधी आदेशों का पूर्णतः पालन किया जाय, धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
4. स्वीकृत धनराशि को व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका स्टोर परचेज रूल्स डी०जी०सी०एण्ड डी० की दरें टैण्डर/कोटेशन विषयक नियम एवं मितव्ययिता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, जहाँ कहीं आवश्यक हो तो धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृत अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5. स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2010 तक उपयोग करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में शासन/भारत सरकार को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0106-पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित) 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-274(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 4 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव

संख्या: 4267 (1) / XV-1/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त वरिष्ठ कौषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कूमायूँ मण्डल, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
7. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
8. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
9. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव